**Africa Business Research as a Laboratory for Theory-Building: Extreme Conditions, New Phenomena, and Alternative Paradigms of Social Relationships**

**Helena Barnard, Alvaro Cuervo-Cazurra, and Stephan Manning**

**अफ़्रीकी व्यावसायिक शोध, सिद्धांत-निर्माण की प्रयोगशाला के रूप में: उग्रतम स्थिति, नूतन घटना और सामाजिक संबंधों पर वैकल्पिक परिप्रेक्ष्य**

यद्यपि अफ्रीका का व्यावसायिक सन्दर्भ उत्त्तरोत्तर महत्त्वपूर्ण होता जा रहा है, तथापि उसके बारे में सीमित जानकारी है. हमने इस शोध पत्र में अफ़्रीकी फर्मों द्वारा अनुभवित चुनौतियों और अवसरों का पुनरीक्षण किया है और यह मत प्रस्तुत किया है की यह फर्म सम्बंधित सम्प्रति सिद्धान्तिओं और आदर्शों के विस्तार के आधार हो सकते हैं. हमने यह अफ़्रीकी फार्मों से सम्बंधित कुछ निहित मान्यताओं और रूढ़ियों को चुनौती दे कर किया है और साथ ही इन सिद्धांतों के विस्तार के तीन मार्ग प्रस्तावित किये हैं. पहला मार्ग अफ़्रीकी देशों की उग्र स्थितियों को प्रयोगशाला की तरह लेते हुए प्रचलित सिद्धांतों और आदर्शों के परिवर्तन का है, जैसा की हमने संसाधनपरक सिद्धांत और संस्थागत सिद्धांतों के सन्दर्भ में निरूपित किया है. दूसरा अफ़्रीकी फर्मों के सञ्चालन के परिवेश में विश्लेषण से उभरने वाली नयी विषय वस्तुओं का है, जिसमे हमने चार पर चर्चा की है: देशान्तरित बहुराष्ट्रीय कंपनियां और मूल देश का आशय, अन्तःदेशी और अंतर्देशीय प्रवासी संजाल, संस्थागत व सांस्कृतिक दूरी के सिद्धांत का पुनर्निर्माण और नविन मिश्रित संगठनीय स्वरूपों का निरूपण. तीसरा अफ्रीका जनित सामाजिक संबंधों के परिप्रेक्ष्य में वैकल्पिक सिद्धांतों का निर्माण है, जो प्रचलित सिद्धांतों से आधारभूत रूप से भिन्न हैं. उदाहरणतः गॉटला (kgotla) और उसका समुदायपरक संबंधों का दृष्टिकोण और उबुन्टु (ubuntu) का संबंधों का मानवीकरण नजरिया.

**सूचक शब्द** **:** अफ्रीका, सन्दर्भ, उदीयमान बाजार, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, सिद्धांत विकास